सोशल मीडिया सुरक्षा

अपने अकाउंट को हैकिंग, नकली प्रोफ़ाइल और उत्पीड़न से बचाएँ।

ऑनलाइन ठगी में पैसे गए? तुरंत 1930 पर कॉल करें और cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें।

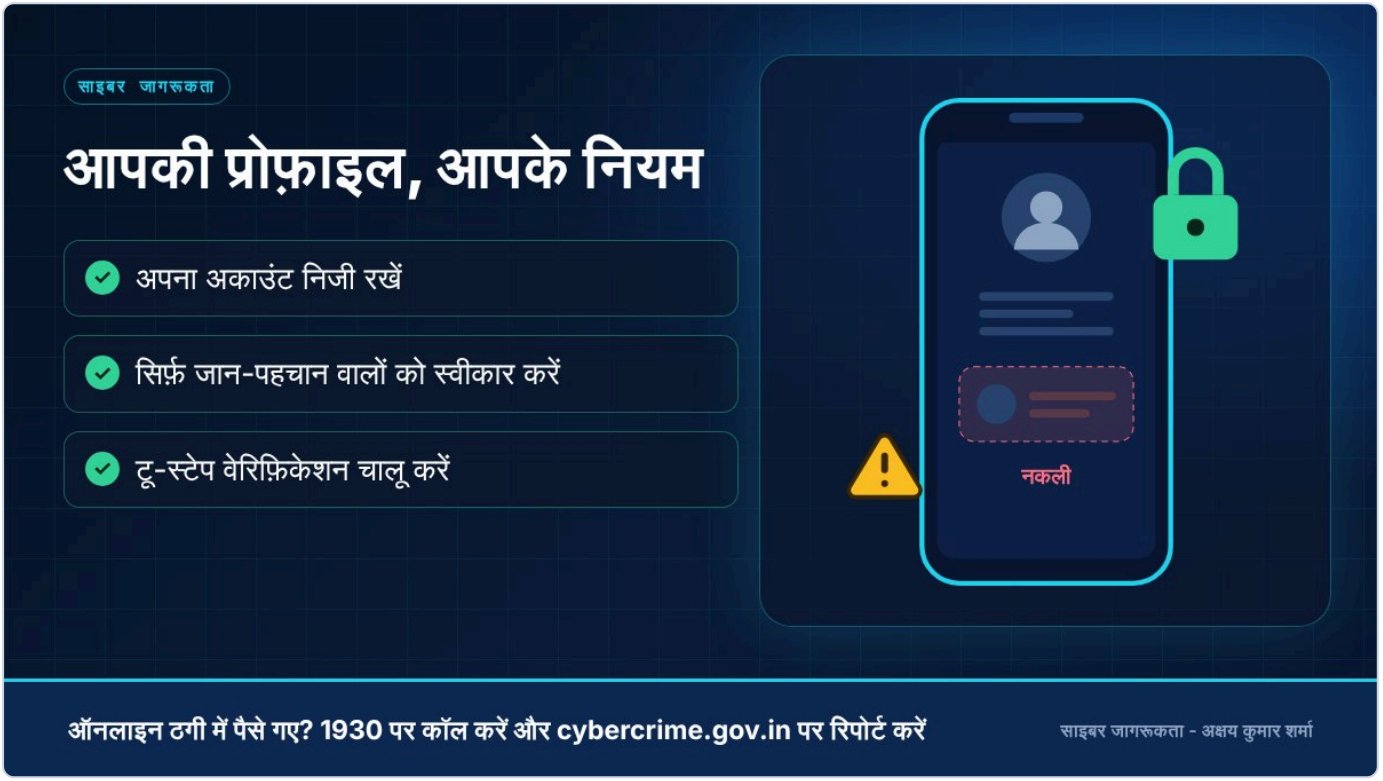
यह क्या है

सोशल मीडिया अकाउंट में आपकी पहचान, फ़ोटो और संपर्क होते हैं। हमलावर अकाउंट हैक करके आपके दोस्तों को ठगते हैं, आपकी फ़ोटो से नकली प्रोफ़ाइल बनाते हैं, या आपकी पोस्ट से पासवर्ड और सिक्योरिटी जवाब का अंदाज़ा लगाते हैं।

यह कैसे काम करता है - और आप इसे कहाँ रोक सकते हैं

लाल बॉक्स ठग की चाल दिखाते हैं। हरे बॉक्स बताते हैं कि आप कड़ी को कहाँ तोड़ सकते हैं।

1. आप निजी जानकारी और फ़ोटो सार्वजनिक रूप से डालते हैं
   - **यहीं रोकें:** कम साझा करें और प्रोफ़ाइल निजी रखें।
2. कोई ठग आपकी प्रोफ़ाइल का अध्ययन करता है
3. नकली फ़्रेंड रिक्वेस्ट, आपकी प्रोफ़ाइल की नक़ल या फ़िशिंग संदेश आता है
   - **यहीं रोकें:** सिर्फ़ जान-पहचान वालों को स्वीकार करें। अजीब अनुरोध की कॉल करके पुष्टि करें।
4. आप धोखे में आ जाते हैं या आपका अकाउंट हैक हो जाता है
   - **यहीं रोकें:** टू-स्टेप वेरिफ़िकेशन अभी चालू करें।
5. आपके दोस्तों को आपके नाम से ठगी के संदेश जाते हैं



आम चेतावनी के संकेत

- ⚠ ऐसे लॉगिन अलर्ट या पासवर्ड-रीसेट ईमेल जो आपने नहीं माँगे।
- ⚠ दोस्तों को आपके अकाउंट से अजीब संदेश मिलना, जैसे पैसे की माँग।
- ⚠ किसी परिचित की नकल करने वाला फ़्रेंड रिक्वेस्ट या संदेश।
- ⚠ मुफ़्त फ़ॉलोअर, इनाम या 'आपकी प्रोफ़ाइल किसने देखी' जैसे लिंक वाले संदेश।
- ⚠ लॉगिन इतिहास में अनजान डिवाइस दिखना।

बचाव के व्यावहारिक सुझाव

- मज़बूत और अलग पासवर्ड रखें तथा टू-फ़ैक्टर ऑथेंटिकेशन चालू करें।
- प्राइवेसी सेटिंग समय-समय पर जाँचें और तय करें कि आपकी जानकारी कौन देख सकता है।
- अजनबियों की रिक्वेस्ट स्वीकार न करें और संदेश में आए लिंक से लॉगिन न करें।
- आपके अकाउंट का एक्सेस माँगने वाले थर्ड-पार्टी ऐप से सावधान रहें।
- जन्मतिथि या पालतू का नाम जैसी जानकारी, जो सिक्योरिटी जवाब हो सकती है, पोस्ट करने से बचें।

जोखिम भरी आदत बनाम सुरक्षित आदत

जोखिम भरा	सुरक्षित
✕ फ़ोन नंबर, पता और जन्मदिन वाली सार्वजनिक प्रोफ़ाइल	✓ कम निजी जानकारी वाली निजी प्रोफ़ाइल
✕ हर फ़्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करना	✓ जान-पहचान वालों को स्वीकार करना और म्यूचुअल फ़्रेंड्स जाँचना
✕ दोस्तों के भी संदेशों के लिंक पर क्लिक करना	✓ दोस्त से कॉल पर पूछना कि संदेश असली है या नहीं
✕ हर जगह एक ही पासवर्ड रखना	✓ अलग पासवर्ड और टू-स्टेप वेरिफ़िकेशन इस्तेमाल करना

ऐसा हो जाए तो क्या करें

1. प्लेटफ़ॉर्म की सिक्योरिटी सेटिंग से पासवर्ड बदलें और सभी डिवाइस से लॉग आउट करें।
2. प्लेटफ़ॉर्म के आधिकारिक अकाउंट रिकवरी और रिपोर्ट विकल्प इस्तेमाल करें।
3. अपने संपर्कों को बताएँ कि आपका अकाउंट हैक हुआ था।
4. नकली प्रोफ़ाइल, उत्पीड़न या ठगी की रिपोर्ट प्लेटफ़ॉर्म पर और ज़रूरत हो तो cybercrime.gov.in पर करें।

आधिकारिक रिपोर्टिंग संसाधन

- राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (cybercrime.gov.in) - https://cybercrime.gov.in/
- CERT-In (भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल) - https://www.cert-in.org.in/

अपना बैंकिंग पासवर्ड, OTP, UPI PIN, कार्ड CVV या पूरा कार्ड नंबर किसी को भी न बताएँ - चाहे वह खुद को बैंक, पुलिस या सरकारी कार्यालय का बताए। यह वेबसाइट कभी भी ये जानकारी नहीं माँगेगी।

यह वेबसाइट केवल शैक्षिक जानकारी के लिए है। यह कोई सरकारी रिपोर्टिंग पोर्टल या आपातकालीन सेवा नहीं है। यदि आप साइबर ठगी का शिकार हुए हैं, तो हर पेज पर दिए गए आधिकारिक माध्यमों से रिपोर्ट करें।
Akshay Kumar Sharma - https://www.youtube.com/@cybersecwithakshay